ललितपुर सिंगरौली रेल मार्ग

1049. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ललितपुर सिंगरौली रेल मार्ग के निर्माण के संबंध में प्रारम्भिक सर्वेक्षण पूरा हो चुका है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या यह सच है धनाभाव या अन्य कारणों से सरकार ने उक्त रेल मार्ग के निर्माण का विचार त्याग दिया हैं?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) जी, हां ।

(ख) 1980–81 में ललितपुर से गोविंदगढ़ तथा गोविंदगढ़ से दो वैकल्पिक मार्गों-एक गोविंदगढ़ से वर्गवान तथा दूसरा गोविन्दगढ़ से बिहारी तक का प्रारम्भिक इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण किया गया था । इन मार्गों की लंबाई क्रमश: 508.27 कि० मी० तथा 405.06 कि० मी० हैं । प्रस्तावित निवेश पर प्रतिफल ऋणात्मक पाया गया ।

(ग) इस योजना के अलाभप्रद होने तथा संसाधनों की अत्यधिक कमी के कारण यह विनिश्चय किया गया है कि फिलहाल इस रेल लाइन का निर्माण कार्य शुरू न किया जाये ।

जबलपुर-गोंदिया छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदला जाना

1050. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गोंदिया-जबलपुर छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) क्या सर्वेक्षण का कार्य पूरा हो गया है ; और

(ग) रेल लाइन को बड़ी रेल लाइन में कब तक बदले जाने की संभावना है ?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) जी, नहीं ।

(ख) जी, हां ।

(ग) 1980 में किये गये सर्वेक्षण से यह पता चलता है कि प्रस्तावित आमान परिवर्तन वित्तीय दृष्टि से अर्थक्षम नहीं था, अत: उसे छोड़ दिया गया था ।

परासिया छिंदवाड़ा रेल लाइन का बड़ी लाइन में बदला जाना

1051. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच हैं कि परासिया से छिंदवाड़ा तक की छोटी रेल लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के लिए आदेश दिए गए हैं ;

(ख) यदि हां, तो अब तक कितना काम पूरा हो चुका है ; और

(ग) क्या यह भी सच हैं कि मलानखंड से गोंदिया तक बड़ी रेल लाइन का द्रुत गति से निर्माण करने के लिए आदेश जारी किये जा रहे हैं ?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) जी नहीं ।